05/07/2021

B.A Subsidiary 1
Paper - 1

परिवार Family

परिवार की रचना ऐसे व्यक्तियों से होती है जिनमें नातेदारी के संबंध पाये जाते हैं। क्लेयर के अनुसार "परिवार से हम संबंधों की वह व्यवस्था समझते हैं जो माता - पिता और उनकी संतानों के बीच पायी जाती है।

मैकाइवर तथा पेज (Macivers and Page) के अनुसार परिवार वह समूह है जो यौन संबंधों पर आधारित है और जो इतना छोटा तथा स्थायी है कि इसमें बच्चों की उत्पत्ति तथा भरण - पोषण हो सके।

क्लेयर (Clare) के अनुसार परिवार से हम संबंधों की वह व्यवस्था समझते हैं जो माता-पिता और उनके संतानों के बीच पायी जाती है।

ऑगबर्न तथा निमकॉफ (Ogburn and Nimkoff) के अनुसार परिवार पति - पत्नी का बच्चों सहित अथवा थोड़ा बहुत स्थायी संघ है। अथवा एक स्त्री या पुरुष का अकेले ही बच्चों के साथ - पाला संघ है।

बर्गेस तथा लॉक (Burgess and Locke) के अनुसार "परिवार उन व्यक्तियों का एक समूह है जो विवाह, रक्त या गोद लेने से बंधनों से जुड़े हुए, एक गृहस्थी का निर्माण करते हैं तथा पति - पत्नी के रूप में एक दूसरे पर प्रभाव डालते हैं।

एवं व्यवहार तथा संबंध रखते हैं वह एक सामान्य संस्कृति का निर्माण करते हैं तथा उसे बनाए रखते हैं।

परिवार की उपरोक्त परिभाषाओं से स्पष्ट है कि परिवार समाज की मौलिक इकाई है, जिसमें सदस्यों के बीच साधारणतया आमने सामने के संबंध पाये जाते हैं। परिवार आमतौर पर पति - पत्नी तथा उनके अविवाहित बच्चे तथा अन्य सदस्य सम्मिलित होते हैं।

इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि परिवार में दो स्त्री एवं पुरुषों के सम्बन्ध के उपरांत बच्चों और उनके नातेदार और सगा - सम्बन्धी को परिवार की संज्ञा दी जाती है और उनके कुछ अधिकार और कर्तव्य निर्धारित किया जाता है।

अतः परिवार कुछ महत्वपूर्ण तत्व हैं।

(i) परिवार एक सार्वभौमिक विशिष्ट तथा दीर्घकालीन समूह है।

(ii) परिवार की संरचना हेतु पति पत्नी के मध्य स्थायी सम्बन्ध तथा यौन संबंधों का होना आवश्यक है।

(iii) परिवार के सदस्यों का निवास स्थान सामान्य होता है।

(iv) परिवार द्वारा बच्चों का प्रजनन तथा लालन - पालन किया जाता है।

(v) परिवार का आकार विस्तृत तथा लघु दोनों प्रकार का हो सकता है।

(vi) परिवार के सदस्य साधारणतया रक्त संबंधों के द्वारा परस्पर संबद्ध होते हैं। गोद लिए बच्चों को भी परिवार के सदस्य स्वीकार किया जाता है।

(vii) परिवार के सदस्यों के समुचित पालन-पोषण हेतु आर्थिक संसाधन आवश्यक होते हैं।

(viii) प्रत्येक परिवार के वंश नाम निश्चित करने की कोई न कोई व्यवस्था पायी जाती है।

05/04/21